HEAT WAVE PLAN 2025-26
JALORE

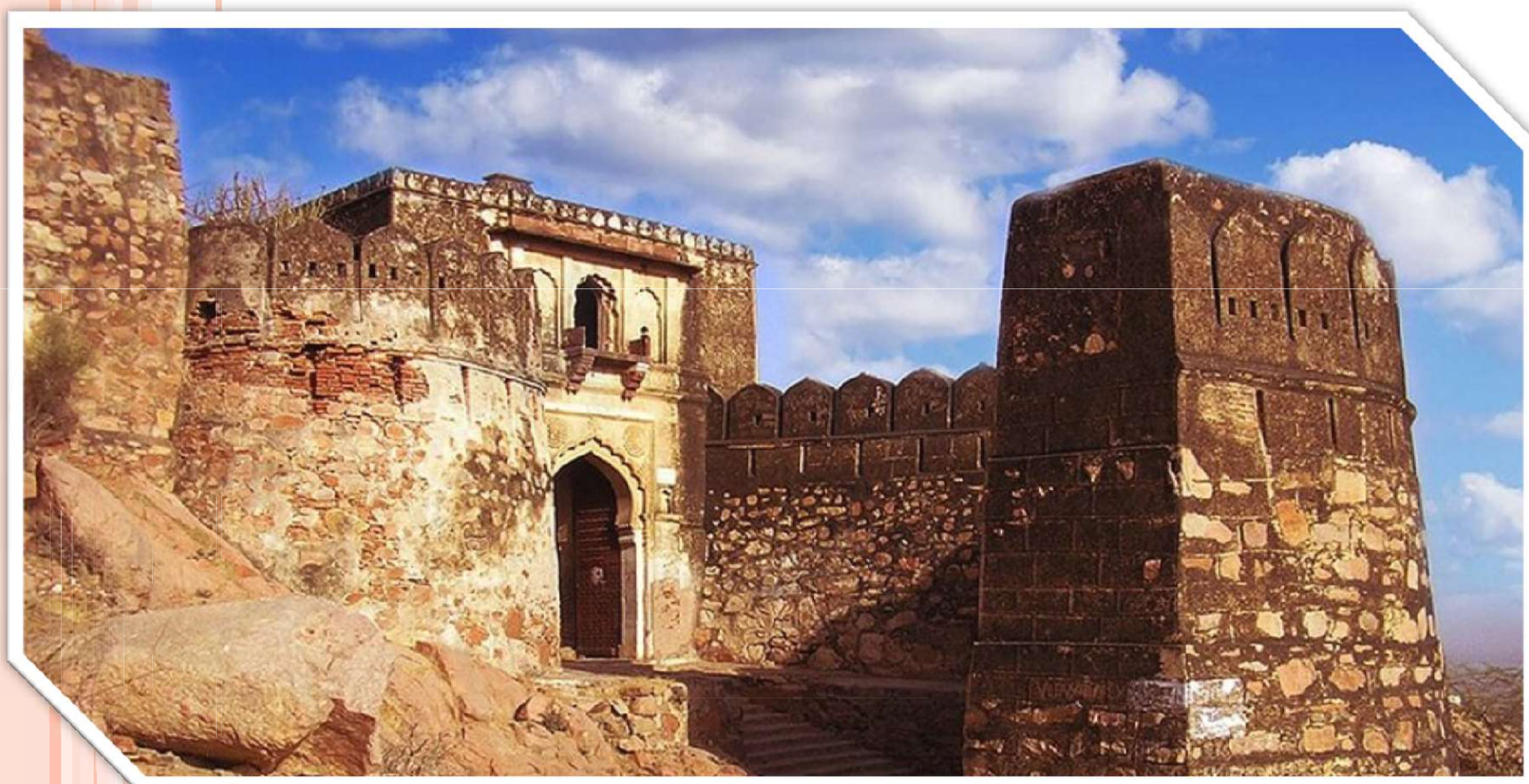

जिला जालोर एक नजर में

जिले की भौगोलिक स्थिति :–

जालोर जिला राजस्थान के दक्षिण पश्चिम भाग मे 24.37'' उत्तरी अक्षांश से 25.35'' उत्तरी अक्षांश तथा 71.58''पूर्वी देशान्तर से 73.34'' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है । जिले का क्षैत्रफल 10640 वर्ग किलोमीटर है। वर्ष 2011 की जनगणनानुसार जिले की कुल जनसंख्या 1828730 है। जिले की उत्तर पश्चिम सीमा बाडमेर जिला, उत्तर पूर्वी सीमा पर पाली जिला, दक्षिम पूर्व सीमा पर सिरोही जिला तथा दक्षिण में गुजरात राज्य की सीमा लगती है। भूगर्भिक संरचना की दृष्टि से जिले का अधिकांश भाग चतुर्थ युगीन व अभिनूतन कालीन जमावों से आच्छादित है। ये जमाव वायु परिवहित रेत (बालू), नवीन कच्छारी मिट्टी प्राचीन कच्छारी मिट्टी तथा गिड के रुप मे जिले के अधिकांश धरातल पर दृष्टिगोचर होते है। चट्टानों मे मालानी ज्वालामुखी तथा जालोर ग्रेनाईट प्रमुख है।

शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क जलवायु वाला जिला होने के कारण यहॉ वार्षिक एवं दैनिक तापान्तर अधिक रहता है। वर्षा का वार्षिक औसत 43.4 सेन्टीमीटर है। जनवरी सबसे ठण्डा महीना होता है और न्यूनतम तापमान 1 या 2 डिग्री सेन्टिग्रेड से कम हो जाता है। मई–जून में तापमान सर्वाधिक रहता है। औसत दैनिक उच्चतम तापमान 42 या 45 डिग्री सेन्टिग्रेड रहता है। जालोर की समुद्रतल से उॅचाई 173.73 मीटर है।

जिला जालोर एक नजर में

जिले की जन संख्या वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 1828730 है। जिनमें पुरुष जनसंख्या 936634 एवं महिला जनसंख्या 892096 है। वहीं लिंगानुपात 952 एवं बाल लिगानुपात जीरों से छः वर्ष तक 891 है। जनसंख्या घनत्व 172 व्यक्ति प्रति किलोमीटर है। जिले में कुल साक्षरता 54.86 प्रतिशत है। जिनमें पुरुष साक्षरता 70.67 प्रतिशत तथा स्त्री साक्षरता 38.47 प्रतिशत है।

जिले में कुल 896 आबाद 889 एवं गैर आबाद 07 राजस्व ग्राम है। जिले में कुल 304 ग्राम पंचायत मुख्यालय है। जिले में 9 उपखण्ड कार्यालय क्रमशः जालोर, सायला, आहोर, भीनमाल, बागोडा, जसवंतपुरा, रानीवाडा, सांचोर, चितलवाना है। इसी तरह 10 तहसीलें क्रमशः जालोर, सायला, आहोर, भाद्राजून, भीनमाल, बागोडा, जसवंतपुरा, रानीवाडा, सांचोर एवं चितलवाना है, उपतहसील जीवाणा, रामसीन है तथा 10 पंचायत समिति मुख्यालय क्रमशः जालोर, सायला, आहोर, भीनमाल, रानीवाडा, जसवन्तपुरा, सांचोर, चितलवाना, सरनाऊ, एवं बागोडा है। जिले में कुल 307 ग्राम पंचायत तथा 2 नगरपरिषद जालोर व सांचौर तथा 03 नगरपालिका आहोर, सायला व भीनमाल है, जिले में कुल पुलिस स्टेशन 18 एवं 19 पुलिस चौकी है। पटवार मण्डल कुल 285 तथा भु.अ.नि वृत 71 है।

राजस्थान सरकार

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग

गर्मी/ताप की लहर (क्या करें और क्या ना करें)

–: क्या करें (Do’s) :–

<u>सभी के लिए</u> :–

- रेडियों सुने/टीवी देखें/स्थानीय मौसम की जानकारी के लिए समाचार पत्र पढे या संबधित मोबाईल ऐप डाउनलोड करे ।
- पर्याप्तं पानी पिये, अपने आपको हाइट्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइट्रेशन सॉल्यूसन), घर के बने पेय जैसे लस्सी, निबूं का पानी, छाछ आदि का सेवन करे।
- हल्के रंग के ढीले, सूती कपड़े पहनें।
- यदि कही बाहर है, तो अपना सिर ढके। कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करे। आंखों की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे का प्रयोग करे और त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन लगाये ।
- प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षण ले।

नियोक्ता और श्रमिक के लिए :–

- कार्य स्थल पर ठंडे पेयजल का प्रबंध करे ।
- सभी श्रमिकों के लिए आराम के लिए छाया, साफ पानी, छाछ, आइस–पैक के साथ प्राथमिक
- चिकित्सा किट और ओआरएस (ओरल रिहाइट्रेशन सॉल्यूसन) का प्रबंध रखे।
- श्रमिकों के लिए सीधी धूप से बचने के लिए कहे।
- श्रमसाध्य कार्यों को दिन के कम ताप वाले समय में ही करें।
- बाहरी गतिविधियों के दौरान विश्राम करने की आवृति और सीमा समय बढाये ।
- श्रमिकों को लू से संबधित चेतावनी के बारे में सूचित करे ।
- जिन श्रमिकों के लिए गर्मी वाले क्षेत्र नए हो, उन्हे हल्का काम और कम घंटों का काम दें।

अन्य सावधानियां :–

- बंद वाहन में बच्चों या पालतू जानवरों को कभी अकेला ना छोडे ।
- पंखें और नम कपडों का प्रयोग करे, ठंडे पानी में स्नान करे ।
- सार्वजनिक परिवहन और कार–पूलिंग का उपयोग करे। यह भूमण्डलीय ऊष्मीकरण और गर्मी को कम करने में मदद करेगा।
- पेड लगाये। सूखी पतियों, कृषि अवशेषों और कचरे को न जलाऐं ।
- जल स्त्रोतों का संरक्षण करे। वर्षो के जल को संचयित करे ।

- ऊर्जा–कुशल उपकरणों, स्वच्छ ईंधन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोंतो का उपयोग करे ।
- अगर आपकों चक्कर आ रहे है या आप अस्वस्थ महसूस कर रहे है तो तुरन्त डॉक्टर के पास जाये या किसी को तुरन्त डॉक्टर के पास जाने के लिए कहे।

<u>नया घर बनाते समय</u> :–

- नियमित दीवारों की बजाय कैविटी तकनीक का उपयोग करें।
- चौडी दीवारें बनवाएं। वे घर को ठंडा रखती है।
- जालीदार दीवारें और लोब वाले उद्घाटनों का निर्माण करें। वे अधिकतम वायु–प्रवाह कर गर्मी को अवरूद्ध करते है।
- दीवारों को रंगने के लिए प्राकृतिक सामग्री जैसे चूने या मिटटी का उपयोग करें। यदि संभव हो तो कांच के इस्तेमाल से बचे।
- निर्माण करने से से पहले बिल्डिंग टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ से सलाह लें।

<u>मवेशी के लिए</u> :–

- पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए पर्याप्त, स्वच्छ और ठंडा पानी दे।
- उनसे सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच काम न लें।
- शेड की छत को पुआल से ढक दे, तापमान कम करने के लिए इसे सफेद रंग/चूने से रंग दें या गोबर से लीप दें।
- लेड में पंखे, वाटर स्प्रे और फॉमर्स का प्रयोग. करे।
- अत्यधिक गर्मी के दौरान, पानी का छिडकाव करे और मवेशियों को ठंडा करने के लिए एक जल निकाय पर ले जाए।
- उन्हे हरी घास, प्रोटीन, वसा बाईपास पूरक, खनिज मिश्रण और नमक दें। कम गर्मी वाले घंटों के दौरान उन्हे चरनें दें।

–: क्या न करें (Don't) :–

- धूप में बाहर जाने से बचे, खासकर दोपहर 12 और 3 बजे के बीच ।
- दोपहर में बाहर भारी कामों से बचे।
- नंगे पांव बाहर न जायें ।
- दिन के सबसे गर्म समय के दौरान खाना पकाने से बचे। खाना पकाने वाले हिस्से को हवादार बनाए रखने के लिए दरवाजे और खिडकियां खुली रखे।
- शराब, चाय, कॉफी और कॉर्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। वे शरीर को निर्जलित करते है।
- अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें। बासा भोजन ना करे ।
- पार्क किए गए वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोडे, वे गर्म हवा से प्रभावित हो सकते है ।
- ऐसे बल्बों का उपयोग करने से बचे जो अनावश्यक गर्मी उत्पन्न करते है, ठीक वैसे ही जैसे कि लगातार चलते हुए कम्प्यूटर या बिजली के उपकरण।

–: लू से प्रभावित व्यक्ति के उपचार के लिए टिप्स :–

- तापमान को कम करने के लिए पीडित के सिर पर गीले कपड़े का उपयोग करे/पानी डाले।
- व्यक्ति को ओआरएस/नीबू, शरबत या जो कुछ भी शरीर को पुनः सक्रिय करने के लिए उपयोगी हों, पीने के लिए दे ।
- व्यक्ति को तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र ले जाये ।
- यदि लगातार उच्च तापमान बना रहता है और सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मतली या भटकाव आदि के लक्षण स्पष्ट महसूस हो तो ऐसी स्थिति में 100 नं पर कॉल करे ।

"लू"
यानी तेज़ गर्मी
जानलेवा हो सकती है!
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
HEAT WAVE
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

क्या आप
"लू"
से बचाव के लिए तैयार हैं?
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
HEAT WAVE
ORS
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

क्या आप घर से बाहर "लू" में काम करते हैं?

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें।
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो।
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- नंगे पांव बाहर न जाएं।
- गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें।
- काम के बीच में थोड़ा–थोड़ा विश्राम लें।
- पेड़ या छाया में ही आसरा लें।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग Toll Free No. - 112/1070 **https://dmrelief.rajasthan.gov.in**

धूप में जाने से बचें

निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
- पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
- ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
- हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
- जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
- बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग Toll Free No. - 112/1070 https://dmrelief.rajasthan.gov.in

दोपहर में
शारीरिक मेहनत
वाले काम से
बचें
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, और समाचारपत्र पढ़ें
पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं – भले ही प्यास न लगी हो
ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताज़ा रहें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें।
बच्चों अथवा पालतू जानवरों को वाहनों में छोड़कर न जाएं – उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।
ORS
ORS
HEAT WAVE
100
90
80
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने जानवरों को
"लू"
से बचाएं
लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां
जहा तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें
यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहें।
जानवरों को किसी बंद जगह में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।
HEAT WAVE
100
90
80
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने जानवरों को
"लू"
से बचाएं
लू के दौरान पालतू जानवरों के लिए सावधानियां
• जहा तक संभव हो, तेज गर्मी के दौरान उन्हें घर के भीतर रखें
• यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा हो वहां दिनभर छाया रहें।
• जानवरों को किसी बंद में न रखें, क्योंकि गर्म मौसम में इन्हें जल्दी गर्मी लगने लगती है।
• ध्यान रखें कि आपके जानवर पूरी तरह साफ हों, उन्हें ताजा पीने का पानी दें, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय उनके पानी में बर्फ के टुकड़े डालें।
• पीने के पानी के दो बाउल रखें ताकि एक में पानी खत्म होने पर दूसरे से वे पानी पी सकें।
• अपने पालतू जानवर का खाना धूप में न रखें।
• यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं। उसे सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम में ठंडा हो।
• कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सड़क, गर्म रेत) पर न चलाएं।
• किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।
HEAT WAVE
100
90
80
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

बढ़ती गर्मी में
वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों
की करें खास
देखभाल
निम्नलिखित सावधानियां बरतें
तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें।
ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो।
यदि वे गर्मी से बैचेनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें।
उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें।
उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं।
उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।
HEAT WAVE
ORS
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

शिशुओं को
"लू"
से बचाएं
बच्चों के लिए सावधानियाँ
• उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं।
• शिशुओं में गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों का पता लगाना सीखें।
• यदि बच्चे के पेशाब का रंग गहरा है तो इसका मतलब है कि वह डीहाईड्रेशन (पानी की कमी) का शिकार है।
• बच्चों को बिना देखरेख खड़ी गाड़ी में छोड़ कर न जाएं, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते हैं।
ORS
ORS
HEAT WAVE
100
90
80
70
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

अपने बच्चों को तेज़
"लू"
से बचाएं
बच्चों के लिए सावधानियाँ
हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। नींबू पानी / छाछ / नारियल पानी/ताज़े फलों के रस का नियमित रूप से सेवन करें।
हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें।
अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें।
गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताज़े फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं।
खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाएं। शाम के समय खेलें।
यदि बच्चे को चक्कर आएं, उल्टी, घबराहट अथवा तेज़ सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो रही हो तो उसे डॉक्टर को दिखाएं।
HEAT WAVE
100
90
80
ORS
आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
Toll Free No. - 112/1070
https://dmrelief.rajasthan.gov.in

NDMA Advisory for Heat Wave 2025

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग :–

- विभिन्न स्थानों पर हीट वेव अलर्ट के लिए कलर कोडिंग वाले डिस्प्ले डिजिटल बोर्ड लगाएं।
- सामान्य जागरूकता के लिए क्या करें और क्या न करें का व्यापक रूप से प्रचार करें, अधिमानतः
- क्षेत्रीय भाषा में।
- क्षेत्रीय भाषा में आईईसी प्रिंट सामग्री (प्रिंट सामग्री, रेडियो–जिंगल्स और टीवी) प्रकाशित करे

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग :–

- स्वास्थ्य केंद्रों और आंगन बाड़ियों में ओआरएस पैकेट, आवश्यक दवाएं, अंतःस्रावी तरल पदार्थ, आइस पैक आदि का स्टॉक रखें।
- गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड समर्पित किए जा सकते हैं।
- जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रारंभिक चेतावनी
- प्रसार की निगरानी।

NDMA Advisory for Heat Wave 2025

- ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा–निर्देश एवं प्रशिक्षण।
- गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और मृत्यु की रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग सख्ती से पालन किया जा सकता है।
- यदि कोई सामूहिक जमावड़ा हो तो आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं को सतर्क और सक्रिय किया जा सकता है।

शहरी स्थानीय निकाय/पंचायती राज :–

- ग्रामीण विकास और श्रम एवं रोजगार, विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों, निर्माण श्रमिकों के
- लिए विशेष आश्रय स्थापित करना और उनके काम के घंटों को पुनर्निर्धारित करना।
- लू प्रभावित क्षेत्रों/मोहल्लों में पेयजल सुविधा की व्यवस्था करना।
- पार्कों, बस स्टैण्डों, पर्यटन स्थलों एवं खुले क्षेत्रों में छाया की व्यवस्था करें।
- सभी क्षेत्रों विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति।

NDMA Advisory for Heat Wave 2025

श्रम विभाग :–

- गर्मी की लहर से संबंधित बीमारियों के संबंध में निर्माण/उद्योग/वाणिज्यिक अधिकारों के साथ प्रशिक्षण।
- चरम गर्मी के घंटों से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी की जा सकती है।
- स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्रों और बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर,
- श्रमिकों के लिए सभी कार्य परिसरों में पेयजल की सुविधा।

शिक्षा क्षेत्र :–

- अत्यधिक गर्मी/दोपहर से बचने के लिए स्कूल का समय पुनः निर्धारित किया जाना चाहिए।
- स्कूल जल्दी शुरू हो सकते हैं और दोपहर से पहले बंद हो सकते हैं।
- सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन कियोस्क/शेड की स्थापना बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचना होगा।

NDMA Advisory for Heat Wave 2025

जिला स्तर :–

- लू के कारण क्या करें और क्या न करें के बारे में जनता को सूचित और शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।
- गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों और खतरों पर नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें।
- सार्वजनिक भवनों, मॉल, धार्मिक स्थानों आदि जैसे शीतलन केंद्रों को सक्रिय करें।
- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें।
- बिजली वितरण/प्रेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।
- चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करें।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन लागू करना।

जिला स्तरीय कार्ययोजना

जिला जालोर में गर्मियों/लू-तापघात के दौरान अत्यधिक तापमान (हीटवेव) के प्रभाव को कम करने एवं आमजन के जीवन की सुरक्षा हेतु एक समन्वित हीटवेव एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इस प्लान का उद्देश्य हीटवेव के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं, जनहानि, पशुहानि एवं अन्य दुष्प्रभावों को रोकना है। इस हेतु जिला प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निकाय, पंचायतीराज, जलदाय विभाग, विद्युत विभाग, वन विभाग, पशुपालन विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित अन्य विभागों की भूमिकाएं सुनिश्चित की गई है।

<u>कार्यान्वयन एजेंसियां</u> (Implementing Agencies) :-

- जिला प्रशासन
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
- जलदाय विभाग
- पंचायतीराज/नगर निकाय
- विद्युत विभाग
- श्रम एवं रोजगार विभाग
- खान विभाग
- वन विभाग
- सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग
- पशुपालन विभाग

जिला प्रशासन

- लू के कारण क्या करें और क्या न करें के बारे में जनता को सूचित और शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।
- गर्मी से संबंधित बीमारियों के जोखिमों और खतरों पर नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें।
- सार्वजनिक भवनों, मॉल, धार्मिक स्थानों आदि जैसे शीतलन केंद्रों को सक्रिय करें।
- गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से लू की स्थिति के दौरान सार्वजनिक लू स्थानों पर पीने के पानी/छाछ के कियोस्क खोलने का आग्रह करें।
- बिजली वितरण/प्रेषण कंपनियों से अस्पतालों और यूएचसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं के लिए बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करें।
- चुनाव के मतदान के समय और अन्य सभी आवश्यक उपायों के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ समन्वय करें।
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यकता हो, स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि के समय में परिवर्तन लागू करना।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

- जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जालोर, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी सामान्य चिकित्सालय जालोर तथा प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर हीटवेव से संबंधित कन्ट्रोल रूम की स्थापना करना।
- जिला अस्पताल में 1 डेडीकेटेड वार्ड की स्थापना करना। जिसमें कूलर, पंखे, आईसपैक, आवश्यक दवाईयां, ठण्डा पानी इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करना। जिससे की लू-तापघात से पीड़ित मरीज आने पर उस वार्ड में भर्ती कर उपचार किया जा सके।
- जिले के प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर हीटवेव से पीड़ित मरीज के लिए आवश्कतानुसार बेड आरक्षित करना तथा जिला अस्पताल सांचौर व उप जिला अस्पताल भीनमाल पर 10-10 बेड का वार्ड आरक्षित करना।
- समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्र, सीएचसी, पीएचसी एवं जिला स्तरीय अस्पताल आदि में आवश्यक दवाईयों, ओ.आर.एस., आईवी फ्ल्यूड, एसी, कूलर व पंखे आदि का प्रबन्धन/उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्र, सीएचसी, पीएचसी एवं जिला स्तरीय अस्पताल आदि में 24 घण्टे चिकित्सा कार्मिक की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

- प्रत्येक ब्लॉक में लू-तापघात हेतु एक-एक आरआरटी टीम ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी की देख-रेख में संचालित की जावे।
- हीटवेव से बचाव हेतु आमजन को जागरूक करने के लिए विभिन्न आई.ई.सी. गतिविधियों का आयोजन करना।
- जिले की समस्त नरेगा साईट पर कार्यरत श्रमिकों को हीटवेव से बचाव के उपचार हेतु जागरूक किया जाना तथा नियमित रूप से संबंधित ए.एन.एम. द्वारा विजिट करवाना।
- चिकित्सा अधिकारियों द्वारा चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर संबंधित कार्मिकों को आमजन में हीटवेव के लक्षण व उससे बचाव के निर्देश प्रसारित करने एवं पीड़ितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की सुनिश्चिता करना।
- बैनर, पोस्टर व हॉर्डिंग तथा कम्यूनिटी वर्कर/NGO के माध्यम से जन-जागरूकता का प्रबंधन करना।

जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग

- जिले में हीटवेव के मध्यनजर विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षैत्र पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- समस्त फील्ड कर्मचारियों को पाबन्द किया जाना कि वे बिना आवश्यक कार्य/अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडे एवं यथासंभव पेयजल से कोई क्षैत्र वंचित नहीं रहे।
- पीएचईडी द्वारा अभाव वाले स्थानों पर पीने के पानी की व्यवस्था करना एवं हीटवेव की स्थिति में पानी के छिड़काव की स्थिति आने पर पानी के टैंकरों की व्यवस्था सुनिश्चित करवाना।
- पेयजल कार्मिकों द्वारा सघन निरीक्षण करवाये जाने तथा व्हॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से त्वरित समाधान कर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना।

पंचायतीराज/नगर निकाय

- जिले में समस्त फील्ड कार्मिकों को पाबन्द कर क्षैत्र के मुख्य-मुख्य स्थानों का चिन्हीकरण कर उन स्थानों पर टेण्ट लगाकर छाया, हवा, शुद्ध आर.ओ. ठण्डा पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- बसों के ठहराव स्थल पर यात्रियों के विश्राम हेतु भी छाया की व्यवस्था करना। नगर निकाय क्षेत्रों में भीड़ वाले स्थानों पर टेण्ट लगाकर विश्राम स्थल बनाये जाकर छाया के साथ बैठक व्यवस्था हवा व शुद्ध ठण्डा आर.ओ. पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- उक्त पेयजल व्यवस्था बाधित न हो इस हेतु एक-एक कार्मिक भी उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- नरेगा मजदूरों के लिए छाया एवं पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करवाना।
- शहरी क्षैत्रों में टैंकरों के माध्यम से सड़कों पर पानी के छिड़काव की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- साथ ही आवश्यक स्थानों पर पीने के पानी, शिंकजी एवं इमली पानी की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करना।

विद्युत विभाग

- जिले में विशेषकर दोपहर व रात्रि में यथा संभव बिजली की कटौती नहीं करने, दुरूस्ती आदि कार्य को प्रातः काल ही दुरूस्त करवाना। जिससे बिजली के अभाव में लोगों के घर से बाहर निकलने पर हीट वेव की चपेट में आने की संभावना न रहे।

श्रम एवं रोजगार तथा खान विभाग

- जिले में स्थित कारखाना, फैक्ट्री एवं अन्य औद्योगिक संस्थानों के मालिकों, मकान निर्माता या ठेकेदारों द्वारा मजदूरों/श्रमिकों हेतु छाया व पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करके ही कार्य करवाने हेतु पाबन्द किये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- साथ ही दोपहर के वक्त पीक अवर्स में श्रमिकों/मजदूरों को खुले में कार्य नहीं करवाने व आराम करवाने हेतु पाबंद किया गया।

वन विभाग

- जिले में अपने फील्ड स्टाफ को सम्बन्धित मुख्यालय पर रह कर वन्य क्षैत्र के जीव जन्तुओं के हीट वेव के कारण चपेट आने की संभावना से बचाव के समस्त आवश्यक प्रबन्ध यथा परिण्डे लगाना, पानी के कुण्ड रखवाकर पेयजल की पर्याप्त हेतु पाबन्द किया जाना।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग

- आपदा प्रबन्धन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग से प्राप्त हीटवेव से सम्बन्धित एडवाईजरी को विभिन्न व्हाट्सएप्प ग्रुप/सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन तक समय-समय पर पहुंचाना।
- हीट वेव तथा मौसमी बीमारियों को लेकर समय-समय पर वीडियों ओर पेम्प्लेट के जरिये अपील आम जन तक विभिन्न माध्यमों से पहुंचाना।

पशुपालन विभाग

- जिले की समस्त गौशालाओं का निरीक्षण कर गौशालाओं में पेयजल छाया आदि के अभाव में हीट वेव की चपेट में आकर पशुक्षति की संभावना न रहे, इस हेतु आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित करना।
- साथ ही विभाग के समस्त फील्ड स्टाफ को मुख्यालय पर ही आवश्यक दवाओं के साथ उपस्थित रहने हेतु पाबन्द करना व पशुपालकों को सुरक्षात्मक उपाय की अपील करवाना। जिससे हीट वेव के प्रकोप के कारण पशु क्षति की संभावना न रहे।
- पशुओं के लिए भी आवश्यक रूप से छाया एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करवाना।
- पशुधन सहायक आदि फील्ड स्टाफ के माध्यम से जिले के समस्त ग्रामों में पशुपालकों को विशेषकर दोपहर में पशुओं को चराने जाने से रोककर प्रातःकाल ही पर्याप्त पेयजल सुविधा वाले क्षैत्र में ही पशुओ को चराने जाने हेतु व छायादार स्थल पर विश्राम करने हेतु समझाईश करवाना, जिससे हीट वेव से मानव एवं पशु दोनो सुरक्षित रह सके।

महत्वपूर्ण दूरभाष नम्बरों की सूची जिला जालोर

विभाग	नाम अधिकारी	पद नाम	मोबाईल नं.	कार्यालय	निवास
प्रशासन	श्रीमती प्रतिभा सिंह (IAS)	संभागीय आयुक्त जोधपुर	9414189777	2650540 2650357	
	श्री विकास कुमार (IPS)	आई.जी.पी. रेंज जोधपुर	9982530000	2650800 2650801	
	डॉ. प्रदीप के. गावंडे (IAS)	जिला कलक्टर जालोर	9929592388	222207 224247	222208 222350
	श्री ज्ञानचंद यादव (IPS)	जिला पुलिस अधीक्षक जालोर	9413344654	222224	223500
	श्री राजेश मेवाडा (RAS)	अति. जिला कलक्टर जालोर	9414526707	222255	223699
	श्री दौलतराम चौधरी चार्ज (RAS)	अति. जिला कलक्टर भीनमाल	9649123222		
	श्री दौलतराम चौधरी (RAS)	अति. जिला कलक्टर सांचोर	9649123222		
	श्री नंदकिशोर राजौरा (RAS)	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद जालोर	9414565612	222341	222348
	श्री मोटाराम गोदारा (RPS)	अति. पुलिस अधीक्षक, जालोर	8104407214		

विभाग	नाम अधिकारी	पद नाम	मोबाईल नं.	कार्यालय	निवास
उपखण्ड अधिकारी	श्री मनोज	उपखण्ड अधिकारी, जालोर	9828535263	222220	222221
	श्री सांवरमल रेगर	उपखण्ड अधिकारी, आहोर	8764276555	282220	282221
	श्री सुरजभान विश्नोई	उपखण्ड अधिकारी, सायला	9672519992	272333	—
	श्री मोहित कासनीया	उपखण्ड अधिकारी, भीनमाल	9782183337	222220	222221
	श्री मोहित कासनीया अति.	उपखण्ड अधिकारी, जसवंतपुरा	9782183337	294625	—
	श्री प्रमोद कुमार	उपखण्ड अधिकारी, सांचौर	9460215911	283220	—
	श्री सुनील कुमार	उपखण्ड अधिकारी, रानीवाडा	8696785533 9351031138	294220	—
	श्री हीर सिंह चारण	उपखण्ड अधिकारी, बागोडा	9828161446	264186	—
	श्री देसलाराम परिहार	उपखण्ड अधिकारी, चितलवाना	9460413311	286320	—

विभाग	नाम अधिकारी	पद नाम	मोबाईल नं.	कार्यालय	निवास
तहसीलदार	श्री बाबूसिंह राजपुरोहित	तहसीलदार, जालोर	9414754946	222593	
	श्री मोहित आशिया	तहसीलदार, आहोर	9602222885	282030	
	श्री चन्दन पंवार	तहसीलदार, भाद्राजून	7665977667		
	श्रीमती लक्ष्मी अति. चार्ज	तहसीलदार, सायला	6375869320	272070	
	श्री मीठालाल	तहसीलदार, भीनमाल	9799706104	220144	
	श्रीमती नीरज कुमारी	तहसीलदार, जसवंतपुरा	9461935964	243434	
	श्री कर्मवीर सिंह RAS	तहसीलदार, सांचौर	9649658871	283046	
	श्री हनवंत सिंह	तहसीलदार, रानीवाडा	9414534296	232078	
	श्री मोहन लाल	तहसीलदार, बागोडा	8239785559	264186	
	श्री चमनलाल सियोल	तहसीलदार, चितलवाना	9166371809	286287	
	श्री लदाराम	तहसीलदार (भू0अ0) जालोर	9983321117		

विभाग	नाम अधिकारी	पद नाम	मोबाईल नं.	कार्यालय	निवास
विकास अधिकारी	श्री प्रदीप मायला	विकास अधिकारी, जालोर	9461525453	222230	222231
	श्री बाबुसिंह	विकास अधिकारी, आहोर	9680307058	282230	282231
	श्री गौरव विश्नोई	विकास अधिकारी, सायला	9414828501	272230	273805
	श्री राजकुमार जीनगर (अति.वि.अधिकारी)	विकास अधिकारी, भीनमाल	9664161395	222230	222231
	श्री पृथ्वी सिंह (अति.वि.अधिकारी)	विकास अधिकारी, जसवन्तपुरा	9983594673	243123	243480
	श्री भवरलाल जाखड	विकास अधिकारी, सांचोर	9680985060	283230	
	सुश्री हेमलता विश्नोई	विकास अधिकारी, रानीवाडा	8010290846		
	श्री अंकित जीनगर (अति.वि.अधिकारी)	विकास अधिकारी, बागोडा	9672289900	232230	
	श्री आवडदान	विकास अधिकारी, चितलवाना	9982945244	286430	
	श्री जय किशन खिलेरी (अति.वि.अधिकारी)	विकास अधिकारी, सरनाउ	9414397976	222230	222231

विभाग	नाम अधिकारी	पद नाम	मोबाईल नं.	कार्यालय	निवास
शिक्षा विभाग	श्री गंगा कलावंत	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी	9414152678		
CMHO	डॉ. भेराराम जाणी	CM&HO JLR	9783909066	222246	222245
विद्युत विभाग	श्री धर्मेन्द्र प्रजापति अति.	अधीक्षण अभियंता	9660654991	222535	222536
जलदाय विभाग	श्री संजय शर्मा	अधीक्षण अभियंता जालोर	9314098555	223548	222508
वन विभाग	श्री जयदेव सिंह चारण	उप वन संरक्षक	9414611276		
खनिज विभाग	श्री नरेन्द्र खटीक	खनिज अभियंता जालोर	9460732051		
श्रम विभाग	श्री मनोहर सिह	जिला श्रम कल्याण अधि.	9352180852		
पशुपालन विभाग	डॉ. गिरधर सिंह सोढा	संयुक्त निदेशक पशुपालन	9460017010		
नगर परिशद जालोर	श्रीमति अनिता पहाडिया	आयुक्त नगर परिषद जालोर	9530345543		
नगर परिषद सांचोर	श्री त्रिकमदान चारण	अधिशाषी अधिकारी सांचोर	7727085814		
नगर पालिका आहोर	श्री राकेश	अधिशाषी अधिकारी आहोर	9828745355		
नगर पालिका भीनमाल	श्री तेजराज भण्डारी	अधिशाषी अधिकारी भीनमाल	9602476231		
नगर पालिका सायला	श्रीमति लक्ष्मी कार्यवाहक चार्ज.	अधिशाषी अधिकारी सायला	6375869320		
PRO	श्री वेद प्रकाश आशिया	जन संपर्क अधिकारी	9001384788		

Thanks